सं.16015/1/2022-पीएमआई
भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
*****

शास्त्री भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 5 नवंबर, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए माह सितंबर 2024 के मासिक सार के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को उर्वरक विभाग का माह **सितंबर**, 2024 का मासिक सार एतदद्वारा सूचनार्थ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

(अनिल फुलधारी)
निदेशक (पीएमआई)
दूरभाष: 011-23389839

सेवा में,

1. मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव।
2. निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110004
3. सचिव (उर्वरक) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव।
4. अनुभाग अधिकारी (आईटी) को उर्वरक विभाग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए।

विषय: उर्वरक विभाग का माह सितंबर, 2024 का मासिक सार।

1. माह के दौरान समग्र उत्पादन निष्पादन:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	माह के दौरान उत्पादन	इस माह तक संचयी उत्पादन
यूरिया	24.81	153.18
डीएपी	3.77	21.53
अमोनियम सल्फेट (ए/एस)	0.68	3.25
मिश्रित उर्वरक	9.34	53.86
सिंगल सुपर फॉस्फेट	4.97	26.35

स्रोत: dbtfert.nic.in 05.09.2024 की स्थिति के अनुसार

2. माह के दौरान उर्वरकों की आकलित आवश्यकता, उपलब्धता और बिक्री:

(आंकड़े 'लाख मी.टन' में)

उत्पाद का नाम	आकलित आवश्यकता	उपलब्धता	बिक्री
यूरिया	26.54	93.87	30.89
डीएपी	9.35	19.97	7.74
एमओपी	1.79	9.58	2.25
एनपीके	12.90	52.51	16.60

आंकड़ों का स्रोत डैशबोर्ड है।

3. माह के दौरान आयातित तैयार उर्वरकों का ब्यौरा:

उत्पाद का नाम	मात्रा 'लाख मी.टन' में
यूरिया	3.12
कृषि उपयोग हेतु एमओपी	2.61
डीएपी	3.79
एनपीके	0.61

4. सितंबर, 2024 के दौरान तालचेर उर्वरक परियोजना की वृद्धिशील प्रगति:

(क) <u>तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करना:</u>

भारत सरकार ओडिशा के अंगुल जिले में स्थित मेसर्स एफसीआईएल की तालचेर इकाई को पुनर्जीवित करने के लिए अधिदेशित है। तदनुसार, 12.7 एलएमटीपीए क्षमता के कोयला गैसीकरण-आधारित अमोनिया यूरिया संयंत्र की स्थापना के लिए तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) नामक एक संयुक्त उद्यम कंपनी निगमित की गई है, जो भारत में अपनी तरह की पहली है। टीएफएल में गेल, आरसीएफ और सीआईएल प्रत्येक की साम्या 31.85% है और एफसीआईएल की साम्या 4.45% है।

(ख) माह सितंबर, 2024 के दौरान टीएफएल संयंत्र के प्रमुख कार्यकलाप और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :-

i. परियोजना की प्रगति:

31 अगस्त , 2024 तक 62.88% की तुलना में 30 सितंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार परियोजना की समग्र प्रगति 63.34% है अर्थात सितंबर 2024 के दौरान 0.46 की प्रगति है। सितंबर 2024 के कुछ मुख्य बिन्दु निम्नानुसार है :-

क. यूरिया मुख्य फ्रेम का निर्माण जो कुछ समय के लिए रोक दिया गया था, को पुनः शुरू कर दिया गया है और वर्तमान में पाँच तलों में से चौथे तल का कार्य प्रगति पर है। चौथे तल के सभी 18 कॉलम को तैयार कर लिया गया है।

ख. कोल मिलिंग फ्रेम (सीएमएफ) भवन के कुल अपेक्षित 66.00 मीटर की ऊंचाई में से 48 मीटर का निर्माण पूरा कर लिय गया है।

ग. प्रिलिंग टावर की कुल 124 मीटर ऊंचाई में से 105 मीटर तक का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

घ. डब्ल्यूईसीएल ने बारिश के रुकने के बाद श्रमिकों की तैनाती को 700-800 से बढ़ाकर लगभग 1100-1200 प्रतिदिन कर दिया है। इस तरह, कार्यस्थल पर कुल संविदात्मक श्रमशक्ति अब बढ़कर 2600-2700 प्रतिदिन हो गई है।

31 अगस्त 2024 तक 71.90% की तुलना में बाहरी बैटरी लिमिट (ओएसबीएल) पैकेजों की समग्र वृद्धि 30 सितंबर, 2024 तक 73.02% है। एक ओएसबीएल पैकेज को दिनांक 10.09.2024 तक पूरा कर लिया गया है और चार पूरे होने के उन्नत चरण पर हैं। टीएफएल ने सभी ओएसबीएल पैकेजों को पूरा करने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है।

(ii) परियोजना के लिए वर्तमान चुनौती मेसर्स डब्ल्यूईसीएल की समय विस्तार, लागत प्रतिपूर्ति, भुगतान के नियमों का समायोजन और पारस्परिक रूप से सहमत हर्जाने (एमएडी) के स्थगन की मांग है।

(iii) मुद्दों को हल करने के लिए, श्री यिन लिन, परियोजना निदेशक- डब्ल्यूईसीएल के साथ टीएफएल प्रबंधन की एक उच्च स्तरीय बैठक 11/12 सितंबर, 2024 को बैंकॉक में आयोजित की गई थी (श्री यिन को अभी तक चीनी प्राधिकरण से भारत आने की अनुमति लेनी) टीएफएल परियोजना से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए:-

क. टीएफएल ने मैसर्स डब्ल्यूईसीएल के नकदी प्रवाह के मुद्दों का समर्थन करने के लिए विभिन्न व्यवहार्य प्रस्ताव प्रस्तुत किए और आगे मैसर्स डब्ल्यूईसीएल को प्रमुख परियोजना माइलस्टोन की समयसीमा के साथ दोनों पैकेजों (कोयला गैसीकरण और अमोनिया यूरिया) के लिए बिना शर्त पूर्णता योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा।

ख. मैसर्स डब्ल्यूईसीएल ने कहा कि वर्तमान स्थिति उनकी वित्तीय क्षमताओं से परे है और वे पूरी परियोजना के पूरा होने का आऊटलुक प्रदान करने की स्थिति में नहीं हैं। इसके अलावा, मैसर्स डब्ल्यूईसीएल ने एमएडी स्थगन और भुगतान नियम और शर्तों में बदलाव और इन शर्तों के बदले केवल 6 महीने का आऊटलुक प्रदान करने की मांग की।

(iv) सचिव (उर्वरक), उर्वरक विभाग की अध्यक्षता में टीएफएल के अधिकारी के साथ 19.09.2024 को बैठक की गई थी। टीएफएल को सलाह दी गई है कि मौजूदा संविदा के अनुसार प्रगति में तेजी लाने के लिए मैसर्स डब्ल्यूईसीएल के साथ सख्ती से कार्य जारी रखें। साथ ही, टीएफएल परियोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता माननीय मंत्री, रसायन एवं उर्वरक विभाग द्वारा दिनांक 30.09.2024 को की गई। माननीय मंत्री ने टीएफएल को मैसर्स डब्ल्यूईसीएल के साथ लगातार जुडने का और परियोजना को पूरा करने के लिए सभी मौजूदा संविदात्मक प्रावधानों का पूरी तरह से पता लगाने के लिए सभी प्रयास किए जाने के निर्देश दिए।

(v) यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि संविदाकर्ता के किसी भी तर्क में कोई मैरिट होने की स्थिति में बातचीत के समाधान की संभावना तलाशने के संबंध में आपके दिनांक 27.09.2024 के अ.शा पत्र संख्या. सीएस/7855/2024 के प्रत्युत्तर में, और यह भी जांच करने के लिए कि क्या अप्रत्याशित घटना के संबंध में व्यय विभाग के आदेश समय का विस्तार प्रदान करेंगे, टीएफएल ने शीघ्र इसकी जांच की, टीएफएल ने पहले ही उक्त व्यय विभाग के आदेशों के तहत 9 महीने का समय विस्तार प्रदान किया है,जो जून 2024 में समाप्त हो गया है। इसके अतिरिक्त, टीएफएल को अपनी प्रवर्तक कंपनियों के साथ एलएसटीके संविदा के बातचीत के दायरे के संबंध में मैसर्स डब्ल्यूईसीएल की मांगों की जांच करने का निर्देश दिया गया है ताकि आगे की कार्रवाई में तेजी लाई जा सके।

5. व्यय की स्थिति:

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल उपलब्ध बजट अनुमान 168130.81 करोड़ रुपये की तुलना में सितंबर 2024 के दौरान उर्वरक सब्सिडी के प्रशासन पर व्यय 28478.11 करोड़ रुपये (यूरिया: 20093.07 करोड़ रुपये, पीएंडके: 8378.41 करोड़ रुपये, स्थापना: 3.27 करोड़ रुपये, गोबरधन के लिए एमडीए: 3.12 करोड़ रुपये, डीबीटी 0.18 करोड़ रूपए और पूंजीगत व्यय 0.06 करोड़) था। अप्रैल 2024 से सितंबर, 2024 के दौरान प्रगतिशील व्यय 91717.63 करोड़ रुपये (यूरिया: 65490.04 करोड़ रुपये, पीएंडके: 26193.21 करोड़ रुपये, स्थापना: 22.28 करोड़ रुपये, डीबीटी: 4.50 करोड़ रुपये, पूंजीगत व्यय: 0.44 करोड़ रुपये और गोबरधन के लिए एमडीए: 7.16 करोड़ रुपये) अर्थात कुल आवंटन का लगभग 54.55% था।

****